Sukkhu - 6 September

Q- Trace the rise of Magadhan imperialism up to the times of the Nandas with particular reference to its policy towards the non-monarchical states. Discuss the factors that contributed to its success. (20 M)

उत्तर- छठी शताब्दी ईसा पूर्व से मगध के राजनैतिक उत्थान का प्रारम्भ हर्यक वंश की स्थापना से होता है जिसको पुराण, बौद्ध व जैन ग्रन्थों के आधार पर निम्न बिन्दुओं में वर्णित किया जा सकता है -

1- मगध का राजनैतिक उत्थान बिम्बिसार से प्रारम्भ जिसने वैवाहिक व कूटनीति भैत्री संबंधों द्वारा अपनी स्थिति मजबूत की जैसे - कोशल, विदेह व अवन्ति के साथ

2- मगध साम्राज्यवाद का असली आरंभ अजातशत्रु के काल से होता है जिसने पिता की पूर्ववत नीति को आरंभ रखने के साथ कोशल, अवन्ति व लिच्छवियों पर भी विजय को सुनिश्चित किया

3- शिशुनाग तथा नन्द वंश तक आते-आते मगध ने अवन्ति, वत्स व कोशल जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रतिद्वन्द्वी राज्यों को पराजित कर अपनी श्रेष्ठता पूर्णतः स्थापित कर ली।

Scanned by CamScanner

मगध द्वारा तत्कालीन विद्यमान गणतंत्रों जैसे - लिच्छवियों पर भी विजय प्राप्त की गयी। इसमें निम्न कारकों की भूमिका थी -

1 - लिच्छवियों को परास्त करने में अजातशत्रु द्वारा उनके संघ में फूट डालना, नवीन हथियारों का प्रयोग जैसे - रथमूसल, कंटकशोधन; अपनी राजधानी का दुर्गीकरण

2 - स्वयं गणतंत्रों की कमजोरियाँ जैसे - a - साम्राज्य निर्माण व विस्तार की चुनौती के सामने गणतंत्रों की प्रशासन व्यवस्था व सैन्य संगठन की असफलता, b - कुलीनवादी निर्णयन व्यवस्था के चलते त्वरित निर्णयन नहीं

c - आन्तरिक मतभेद के प्रति सुभेद्यता

d - संसाधन जुटाव की चुनौतियाँ

e - या तो स्थायी सेना नहीं अथवा उसका प्रयोग नहीं

f - अल्पतंत्रीय अभिजात सामाजिक ढांचे के चलते कुछ ही लोगों को संसाधनों पर अधिकार

इसकी तुलना में मगध की सफलता में निम्न कारकों की भूमिका रही -

1 - अनुकूल भौतिक व भौगोलिक परिस्थितियाँ। इसमें भूमि की उर्वरता,

Scanned by CamScanner

लोहे, लकड़ी की उपलब्धता के साथ उड़ीसा, छोटा नागपुर पठार से हाथियों की उपलब्धता जिनका बड़े पैमाने पर उपयोग सेना में किया गया,

2- अभेद्य राजधानी जैसे - राजगृह का पहाड़ियों से घिरा होना, पाटलिपुत्र का जल दुर्ग होना

3- बड़ी संख्या में नियमित सेना, कुशल प्रशासन व राजस्व व्यवस्था

4- नवीन उदारवादी बौद्ध व जैन धर्मों की प्राथमिकता के चलते अपेक्षाकृत उदार सांस्कृतिक वातावरण

5- गंगा, सोन, गण्डक से व्यापारिक मार्गों की सुगमता

निष्कर्षत:, कहा जा सकता है कि मगध के उभार में संसाधन, प्रशासन, सैन्य प्रणाली, रणनीति, राजस्व प्रबन्धन के साथ योग्य नेतृत्व व सांस्कृतिक वातावरण की प्रमुख भूमिका रही।

Scanned by CamScanner